शहीद दविस

स्रोत: पी.आई.बी.

शहीद दविस (23 मार्च) पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानियों **भगत सिंह**, **राजगुरु** और **सुखदेव** को उनके सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की, क्योंकि इसी दिन **वर्ष 1931 में लाहौर जेल** में ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा उन्हें फाँसी दी गई थी।

- तीनों को वर्ष 1928 के लाहौर षडयंत्र मामले में उनकी भूमिका के लिये दोषी ठहराया गया था, जिसमें ब्रिटिश अधिकारी **जेपी सॉन्डर्स** की हत्या शामिल थी, गलती से उन्हें **अधीक्षक जेम्स स्कॉट** के रूप में पहचाना गया था, जिन्हें साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लाला लाजपत राय की मौत के लिये दोषी ठहराया गया था।
- इनमें से तीन लोग हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के सदस्य थे, जो ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने क्रांतिकारी संघर्ष के लिये जाना जाता था।
- **शिवराम राजगुरु** का जन्म 24 अगस्त 1908 को महाराष्ट्र में हुआ था। उन्हें औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ उनके अडिग संकल्प के लिये जाना जाता है। वे सशस्त्र प्रतिरोध के प्रबल समर्थक थे।
- **सुखदेव थापर** का जन्म 15 मई 1907 को पंजाब में हुआ था, वे स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करने के पीछे प्रेरक शक्ति थे।

भगत सिंह

शहीद-ए-आज़म *(महान शहीद)* के नाम से भी जाना जाता है

परिचय

- **जन्म:** 28 सितम्बर 1907, बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान में)
- **जलियाँवाला बाग हत्याकांड (वर्ष** 1919): इस नरसंहार के समय ये 12 वर्ष के थे; इससे उनके मन में देशभक्ति प्रज्वलित हुई
- **संगठन**
  - वर्ष **1924 -** हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) में शामिल हुए
    - वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन** (HRA) **कर दिया गया।**
    - **वर्ष** 1926 - युवाओं को संगठित करने के लिये नौजवान भारत सभा की स्थापना।
- **प्रमुख साहित्यिक योगदान:**
  - "मैं नास्तिक क्यों हूँ (Why I am An Atheist)"
  - "जेल नोटबुक और अन्य लेखन (Jail Notebook and Other Writings)"

प्रमुख कार्यवाहियाँ

- **वर्ष** 1928 - लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिये जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामला)
- **वर्ष** 1929 - केंद्रीय विधानसभा पर बम से हमला (बी.के. दत्त के साथ)

गिरफ्तारी और ट्रायल

- **वर्ष** 1929 में असेंबली बम विस्फोट में गिरफ्तार
- **मृत्युदंड की सजा** (लाहौर षडयंत्र मामला)
- **सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी** (23 मार्च 1931)

23 मार्च – शहीद दिवस

भगत सिंह की विचारधाराओं की प्रासंगिकता

आदर्श	विवरण
विश्व बंधुत्व	शांति, समानता और वैश्विक एकता का समर्थन
सांप्रदायिक सौहार्द्र	धार्मिक संघर्षों और विभाजनों का कड़ा विरोध
युवा राजनीतिज्ञ	छात्रों को राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया
हाशिये पर पड़े लोगों का सशक्तीकरण	जातिगत पदानुक्रम को समाप्त करने का समर्थन किया
क्रांतिकारी भावना	उत्पीड़न को चुनौती देना - आधुनिक आंदोलनों के लिये प्रेरणा

और पढ़ें: [भगत सहि की जयंती]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shaheed-diwas-3